6 May 2020
Wednesday

शैक्षिक-प्रबन्धन [Education Management]

कक्षा-कक्ष प्रबन्धन
classroom Management

कक्षा प्रबन्धन को प्रत्यय की दृष्टि से देखा जाए तो वर्तमान में विभिन्न आयामों का बोध होता है। कक्षा-कक्ष में प्रबन्धन तकनीकों व प्रक्रिया-कलापों का संचालन किया जाता है। सामाजिक विद्यालय में कक्षाप्रबन्धन के सन्दर्भ में अध्यापक को विभिन्न कार्य करने पड़ते हैं, जैसे — कक्षा नियोजन, नियन्त्रण, निर्देशन, संगोजन एवं सम्प्रेषण व्यवहार के कार्यों के रूप में समझा जा सकता है।

"कक्षा-कक्ष प्रबन्धन का अभिप्राय भौतिक एवं मानवीय संसाधनों के मनोवैज्ञानिक प्रबन्धन से है, जो शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी एवं दक्षतापूर्ण बनाते हैं।" — एस. के. दुबे

"कक्षा-कक्ष प्रबन्धन में उन समस्त तत्वों का प्रबन्धन सम्मिलित होता है। जो शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं।" — आर. के. शर्मा

कक्षा-कक्ष प्रबन्धन के उद्देश्य

1⇒ कक्षा-कक्ष को समस्त सुविधाओं से परिपूर्ण बनाना।
2⇒ भौतिक एवं मानवीय संसाधनों का उचित प्रयोग।
3⇒ अधिगम को स्थायी बनाना।
4⇒ अधिगम प्रक्रिया को सरल व प्रभावशाली बनाना।
5⇒ कक्षा में स्वच्छ शैक्षिक वातावरण का निर्माण करना।
6⇒ कक्षा से सम्बन्धित तथ्यों के मध्य सामन्जस्य स्थापित करना।

कक्षा-कक्ष प्रबन्धन के सिद्धान्त

1970 में जे. जोन ने अपने शोध अध्ययन द्वारा स्पष्ट किया कि कक्षा प्रबन्धन उन तथ्यों अथवा तत्वों पर आधारित है, जिन्हें अध्यापक कक्षा में उचित अधिगम वातावरण के निर्माण हेतु तथा समस्याओं के समाधान करने हेतु प्रयुक्त करता है।" इसके सिद्धान्तों का वर्गीकरण निम्नलिखित है —

Scanned with CamScanner

कक्षा-कक्ष प्रबन्धन के सामान्य सिद्धान्त

1→ विद्यार्थियों का अधिकाधिक समय अध्ययन क्रियाओं में व्यतीत हो।

2→ अनुशासन सम्बन्धी समस्याओं का सामना कम करना पड़े।

3→ स्वास्थ्य एवं मानसिक, नियन्त्रण का विकास करना अध्यापक का परम लक्ष्य।

4→ छात्रों को उनकी रुचि व योग्यता के अनुसार अर्थपूर्ण कार्यों में लगाया जाय।

कक्षा-कक्ष के विशिष्ट सिद्धान्त

1→ आवश्यक नियम स्पष्ट रूप से निर्मित किये जाय।

2→ इसमें विलम्ब व अवरोध कम से कम हो।

3→ विभिन्न प्रयत्नों को प्रोत्साहन दें।

4→ छात्रों को उनके उत्तरदायित्वों का एहसास करवाया जाय।

5→ व्यवस्थित पाठ व स्वतन्त्र क्रिया-कलापों का नियोजन किया जाय।

6→ संकेत पुनर्बलन एवं उपयुक्त व्यवहार का प्रयोग किया जाय।

कक्षा की समस्त गतिविधियों के सुचारु संचालन हेतु अच्छे कक्षा प्रबन्धन की आवश्यकता होती है, जिसमें सम्मिलित विभिन्न सिद्धान्तों द्वारा अहम भूमिका निभाई जाती है।

कक्षा-कक्ष प्रबन्धन का विस्तार

1→ भौतिक विस्तार एवं वातावरण।

2→ सामाजिक एवं सांस्कृतिक विस्तार।

3→ मनोवैज्ञानिक विस्तार।

4→ नैतिक व्यवहार तथा मूल्य विस्तार।

कक्षा-कक्ष प्रबन्धन में आने वाली समस्याएँ

1⇒ छात्रों की संख्या।

2⇒ अनुपयुक्त साधन।

3⇒ कार्य का भार।

4⇒ अनुशासन की कमी

(5) अशैक्षणिक वातावरण।

(6) अनुपयुक्त स्थल।

कक्षा-कक्ष प्रबन्धन समस्याओं का समाधान

(1) कक्षा के वातावरण को सकारात्मक बनाना।

(2) शिक्षकों का सौहार्द्रपूर्ण व्यवहार करना।

(3) शिक्षक का कार्य उसकी क्षमतानुसार।

(4) विद्यालय में संसाधनों व उपकरणों की व्यवस्था करना।

(5) विद्यालय में उपलब्ध उपकरणों तथा संसाधनों के रख-रखाव की व्यवस्था की जाँच करना।

ARP's Pro- Sapna Tyagi
B.R.C. Deoband

Scanned with CamScanner